RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 12 जून 2024 वर्ष 06 अंक 55 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

शिव सैनिकों टाइगर्स एकजुट हो जाओ...

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र एटीएस ने चार बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया, बनवाये थे फर्जी दस्तावेज

मुंबई : महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोप में चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक गोपनीय सूचना के आधार पर ह्यएटीएसह्न की जुहू इकाई ने हाल ही में रियाज हुसैन शेख (33), सुल्तान सिद्दीक शेख (54), इब्राहिम शफीउल्ला शेख (44) और फारुक उस्मानगनी शेख (39) को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के रहने वाले चारों आरोपी शहर के अलग-अलग हिस्से में रहते हैं। ये कई सालों पहले गैरकानूनी रुप से देश में दाखिल हुए थे। अधिकारी ने कहा कि जांच में पाया गया कि आरोपियों ने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए गुजरात के सूरत के निवासी होने का जाली दस्तावेज इस्तेमाल किया था।

मनोज जरांगे का आरोप...

मुझे रास्ते से हटाने की कोशिश कर रही शिंदे सरकार...

मुंबई: मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे एक बार फिर मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनशन पर बैठ गए है। इस बीच उन्होंने महाराष्ट्र की शिंदे सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। जरांगे ने कहा कि मैं मराठा समाज को आरक्षण दिलाने के लिए अनशन पर बैठा हूं। एक तरफ सरकार हमसे बात कर रही है, जबकि दूसरी तरफ मुझे रास्ते से हटाना चाह रही है। जरांगे के आरोपों पर शिंदे सरकार की ओर से सफाई दी गई है। उन्होंने कहा कि मनोज जरांगे को कोई भी रास्ते से हटाना नहीं चाह रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि मनोज जरांगे जालना जिले में अंतरवाली सराटी गांव में भूख हड़ताल शुरू की है।

मनोज जरांगे की मांग है कि मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत आरक्षण दिया जाना चाहिए। आज उनके अनशन का चौथा दिन है, उनकी तबीयत बिगड़ती जा रही है। जरांगे ने किसी भी तरह के मेडीकल ट्रीटमेंट लेने से मना कर दिया है। अपने हड़ताल के चौथे दिन मीडिया से बात करते हुए जरांगे ने कहा कि शिंदे सरकार मुझे रास्ते से हटाने का प्रयास कर रही है।

मांग को लेकर एक दो दिन में फैसला

शिवसेना के विधायक ने कहा कि मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मनोज जरांगे की मांग को लेकर सकारात्मक चर्चा चल रही है। उनकी मांगों पर हम क्या कर सकते हैं इस पर एक दो दिन में फैसला आ जाएगा। इस सिलसिले में कल एक बैठक हुई, ऐसी ही एक बैठक आज या कल होगी। सरकार मराठा समाज को न्याय देने के लिए सरकार प्रयासरत है, इसका परिणाम आपको दो तीन देखने को मिल जाएगा।

शिंदे सरकार सरकार ने दी सफाई...

जरांगे के आरोपों के बाद शिंदे सरकार की ओर से सफाई दी गई है। शिवसेना के विधायक संजय शिरसाट ने इस बात कि पुष्टी करते हुए कहा कि मनोज जरांगे को कोई भी रास्ते से हटाना नहीं चाह रहा है, कोई ऐसा कर ही नहीं सकता। मनोज जरांगे पाटिल के रूप में एक बड़ा नेता महाराष्ट्र में सामने आया है। हम यह भी कह सकते है कि उनके रूप में मराठा समाज को नेतृत्व मिला है। अतीत में कई लोगों ने मराठा समुदाय को गुमराह किया है। इन सबके विकल्प की तौर पर जरांगे सामने आए है। इसलिए हो सकता है कि कोई और उन्हें रास्ते से हटाना चाह रहा है। लेकिन राज्य सरकार उन्हें हटाने की कोशिश कर रही है, न कभी करेगी।

फडणवीस के गृहनगर नागपुर में 2 गुटों में खून-खराबा...

1 की मौत, 3 गंभीर जख्मी

नागपुर : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के गृहनगर नागपुर में क्राइम रेट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यहां आए दिन हत्या, चोरी और हिंसक झड़प की घटनाएं सामने आते रहती है। ऐसा ही एक मामला बेलतरोड़ी के कैकाड़ीनगर झोपड़पट्टी में सामने आया है, जहां रंजिश में जमकर खून-खराबा हुआ है। साले ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर जीजा और उसके दोस्त पर हमला कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही जीजा के दोस्त भी मौके पर पहुंच गए। दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। चाकू और तलवार चली जिसमें 1 की मौत हो गई और 3 बुरी तरह जख्मी हो गए।

पुलिस ने दोनों गुटों की शिकायत पर हत्या, हत्या का प्रयास और दंगा करने का मामला दर्ज किया है। 5 आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त में हैं। मृतक कैकाड़ीनगर झोपड़पट्टी निवासी दिलीप बहालराम शाहू (34) बताया गया। उसके साथी रामटेकेनगर टोली

निवासी पीयूष बंडू सोनटक्के (20) की हालत भी चिंताजनक बताई जा रही है। पुलिस ने दिलीप की बहन गीता की शिकायत पर मामला दर्ज कर परिसर में रहने वाले दिलीप के साले गणेश बबला शाहू (21), पीयूष सुंदर लिल्लारे (21) और आकाश सुदामा लिल्लारे (21) को गिरफ्तार किया है। दिलीप आपराधिक प्रवृत्ति का था। वर्ष 2015 में गणेश की बहन से उसकी शादी हुई थी। अगले ही साल दिलीप हत्या के मामले में जेल चला गया। तब से उसकी पत्नी मायके में रह रही थी। दिलीप की रामटेकेनगर टोली के अपराधी अश्विन नाड़े के साथ अच्छी दोस्ती थी। उसके साथ मिलकर जुआ और सट्टे का धंधा भी कर रहा था।

...तो क्या मंगल ग्रह पर दफनाए जाने चाहिए शव?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने नगर निगम को लताड़ा

मुंबई : न्यायपालिका अक्सर नागरिकों के बुनियादी मुद्दों और अधिकारों के संबंध में स्थानीय निकायों की भूमिका पर सवाल उठाती है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान अहम स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि गरिमा के साथ अंतिम संस्कार करने का अधिकार भी अन्य अधिकारों जितना ही महत्वपूर्ण है। देवनार परिसर में अतिरिक्त कब्रिस्तान के लिए जगह उपलब्ध नहीं कराने के कारण बॉम्बे नगर निगम को उच्च न्यायालय के क्रोध का सामना करना पड़ा। नगर पालिका के लापरवाह रवैये पर हाईकोर्ट ने तमाचा जड़ दिया।

गोवंडी के शमशेर अहमद, अबरार चौधरी और अब्दुल रहमान शाह ने मुंबई नगर निगम से अतिरिक्त कब्रिस्तान के लिए अनुरोध किया था। मांग पर अमल न होने पर उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया. इन

तीनों ने जनहित याचिका दायर की. याचिका में नगर निगम को कब्रिस्तान के लिए जगह मुहैया कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है. इसकी सुनवाई मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर के समक्ष हुई।

याचिकाकताओं की ओर से दलील दी गई कि नगरपालिका दफनाने के लिए अतिरिक्त जगह के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. यह महसूस करने पर कि पिछले दो साल से बार-बार निर्देश देने के बावजूद इस संबंध में कोई ठोस रुख नहीं अपनाया. अब नागरिकों को मंगल ग्रह पर दफनाने के लिए कहाँ जाना चाहिए? हाईकोर्ट ने नगर निगम से यह नाराजगी भरा सवाल पूछा। इस मामले में नगर आयुक्त को बयान देने का निर्देश दिया गया है.

क्या कहती है नगर पालिका?

आठ माह पहले नगर निगम ने अपना पक्ष रखा था। लेकिन अभी तक इसे लागू नहीं किया जा सका है. अतिरिक्त कब्रगाहों के लिए तीन जगहें प्रस्तावित की गईं, एक देवनार में मौजूदा कब्रगाह के पास, एक रफीकनगर में कचरा डिपो के पास और दूसरी आठ किलोमीटर दूर। लेकिन सुनवाई में साफ हुआ कि नगर पालिका ने अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है. इसके बाद नगर निगम की खूब किरकिरी हुई थी. इस मामले में हाइकोर्ट ने नगर निगम को एचपीसीएल से सटी जमीन के अधिग्रहण को लेकर उचित कदम उठाने का निर्देश दिया है.

ठाणे स्टेशन पर परेशानियों से जूझते यात्री,

पुलों पर भीड़... भिखारियों के अड्डे

ठाणे: पिछले कुछ दिनों से विभिन्न निर्माण कार्यों, मरम्मत और गंदगी के कारण ठाणे रेलवे स्टेशन गंदगी का सबब बन गया है. स्टेशन के प्लेटफार्म व बाहर बोरियों का जमावड़ा, बारिश से स्टेशन परिसर में कीचड़ हो गया है. ऐसे में यात्रियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि भिखारियों और भिखारियों ने फुटब्रिज, विश्राम कक्ष और टिकट खिड़कियों पर कब्जा कर लिया है। पिछले कुछ दिनों से स्टेशन में पैदल यात्री पुलों का निर्माण किया जा रहा है। कुछ पुलों की मरम्मत की जा रही है. प्लेटफार्म नंबर पांच को चौड़ा करने का काम किया गया। स्टेशन के पूरब टिकट घर को तोड़कर सैटिस ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है. फिलहाल यात्रियों को इन सभी बाधाओं को पार करके उपनगरीय ट्रेनें पकड़नी पड़ती हैं।

स्टेशन परिसर में निर्माण अपशिष्ट

सामग्री (रडारोडा) को बोरे में भरकर रखा जाता है। प्लेटफार्म नंबर दो के पास विश्राम कक्ष के पीछे राडार से भरी बोरियां रखी हुई हैं। इस क्षेत्र में अन्यत्र ईंटें, बजरी बिखरी हुई हैं। डॉ। यात्री बाबा साहब अंबेडकर स्मारक के पास से टिकट घर की ओर गुजरते हैं। मौजूदा समय में रेलवे की बोरियां यात्रियों के लिए बाधा बन रही हैं। रविवार को हुई बारिश के कारण स्टेशन क्षेत्र में पानी भर गया. यात्रियों को फिलहाल इसके लिए इंतजार करना पड़ रहा है. प्लेटफार्म नंबर पांच के चौड़ीकरण के लिए सीमेंट की ईंटों की जरूरत है, साथ ही प्लेटफार्म पर कुछ राडार भी लगाए गए हैं। इसके अलावा दोपहर के समय स्टेशन के फुटब्रिज पर भिखारियों की आवाजाही बढ़ रही है। कई बार भिक्षु प्लेटफार्म नंबर दो पर बने विश्राम कक्ष में भी जा रहे हैं।

रोजाना आठ लाख यात्री

ठाणे रेलवे स्टेशन से नवी मुंबई पहुंचने के लिए मध्य रेलवे और ट्रांस हार्बर मार्ग की ट्रेनें हैं। ठाणे शहर में नागरिकीकरण तेजी से बढ़ रहा है। इसके चलते ठाणे रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वालों की संख्या बढ़ गई है. ठाणे सहित कर्जत, कसारा, कल्याण, डोंबिवली, मुलुंड, नाहुर, भांडुप से यात्री ट्रांस हार्बर मार्ग पर ट्रेन से यात्रा करने के लिए ठाणे रेलवे स्टेशन आते हैं। इसलिए, स्टेशन से प्रतिदिन लगभग सात से आठ लाख यात्री यात्रा करते हैं।

संपादकीय...

अहमियत के दरवाजे...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारत में भविष्य और भविष्य में भारत देख रही भाजपा का सत्ता में लौटना जैसे ही ह्यएनडीएह्व हो गया, मंत्रिमंडल के कुनबे में कुछ चेहरे छंट गए। पांचवीं बार के सांसद और भाजपा की अग्रिम पंक्ति के युवा नेता अनुराग ठाकुर का पहली सूची में मंत्रिमंडल का सदस्य न बनना हिमाचल को हैरान करता है, हालांकि प्रदेश के ही जगत प्रकाश नड्डा अपनी अहमियत के दरवाजे पुनः मोदी मंत्रिमंडल में खोल चुके हैं। सवाल यहां उस अंक गणित का है जिसके तहत जनता ने चारों सीटें यानी सौ फीसदी जीत भाजपा के नाम इसलिए कर दी ताकि प्रदेश का रुतबा केंद्रीय सरकार में बढ़े। क्या यह अनुराग को सबक या नड्डा का फलक है या भाजपा के संगठन में ठाकुर की किश्ती तैर रही है। जो भी हो, बतौर सांसद व मंत्री अनुराग ठाकुर की उपलब्धियां निजी व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए श्रेष्ठ ही रही हैं। एक वही ऐसे सांसद हिमाचल के इतिहास में सामने आए जिन्होंने केंद्रीय प्रभाव से अपने विकास के मजमून सुदृढ़ कर दिए। खास तौर पर ऊना रेल परियोजना के मार्फत दौड़ रहीं दर्जन भर ट्रेनें, एम्स, हमीरपुर मेडिकल कालेज, ऊना में पीजीआई सेटेलाइट सेंटर, हमीरपुर में खेल परिसर, स्वां तटीकरण व बिलासपुर में हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना में उनकी खास भूमिका रही है। यह दीगर है कि वह हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ही मंत्री साबित हुए, वरना बतौर खेल मंत्री पूरा हिमाचली अपनी आबोहवा के बूते खेल राज्य बनने के तौर तरीके व वांछित ढांचा सुदृढ़ कर लेता।

यहां कई ऐसे सियासी मंजर भी सामने आते हैं जहां हिमाचल की आंतरिक स्थिति केंद्रीय पदों के आबंटन में उलझती है। यह इसलिए भी कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का लंबा कार्यकाल व गुजरात के कोटे से राज्यसभा पहुंच कर जगत प्रकाश नड्डा कुछ उनके सांसद हो गए हैं, तो माना यह जा रहा है कि वह भाजपा के राष्ट्रीय महत्त्व के धूमकेतु हैं और रहेंगे। बतौर स्वास्थ्य मंत्री बिलासपुर एम्स निर्माण में उनके नाम की चर्चा हमेशा होगी, लेकिन बतौर मंत्री समूचे प्रदेश के लिए उनके योगदान में भी भारी कमी रही है। हिमाचल में भाजपा सियासत को पढ़ने के लिए केंद्र की नजदीकियां तथा ओहदे खास महत्त्व रखते हैं। जब केंद्र में अनुराग के मंत्री पदों का आरोहण हो रहा था, तो जगत प्रकाश नड्डा के आभामंडल में पूरा कमल खिल रहा था। इन दो ध्रुवों के बीच सियासी प्रश्रय की सत्ता जिस शख्स के नाम हुई, वह जयराम ठाकुर इस दौरान हिमाचल के कर्ताधर्ता बने और मौजूदा चुनाव आते-आते खूब फूले फले। अंततः नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके पद और विपक्ष के मोर्चे पर पार्टी ने राज्यसभा में एक तथा लोकसभा में चार सांसद बढ़ाए हैं। इतना ही नहीं, विधानसभा में दो विधायक भी बढ़ रहे हैं, जबकि उपचुनावों में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस की जीत का तिलक अनुराग ठाकुर के लिए अब सीधा गणित नहीं है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई में एक लाख करोड़ के प्रोजेक्ट, सबवे समेत कई परियोजनाएं शुरू... लेकिन खजाना खस्ताहाल

मुंबई: मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मेट्रो, सबवे समेत कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इन परियोजनाओं की संयुक्त लागत एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है जिसके लिए धन ऋण और द्वितीयक ऋण के रूप में पूरा किया गया है।

योजना प्राधिकरण के रूप में एमएमआरडीए मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और रायगढ़ में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। एमएमआरडीए ने यातायात की भीड़ को खत्म करने के लिए एक अत्याधुनिक प्रणाली बनाने के लिए 14 लाइनों वाली 337 किलोमीटर की मेट्रो परियोजना शुरू की है। इनमें से छह से सात मार्गों पर काम चल रहा है और बोरीवली-ठाणे डबल टनल, ऑरेंज गेट से मरीन ड्राइव डबल टनल, प्री-एम्पटेड रोड का विस्तार, ठाणे किनारा मार्ग जैसी परियोजनाएं क्रियान्वित होने वाली हैं। एमएमआरडीए को इन प्रोजेक्ट्स के लिए एक लाख करोड़ से ज्यादा फंड की चिंता थी। इसके लिए ऋण के माध्यम से 1 लाख 3 हजार 622 करोड़ रुपये का फंड उपलब्ध कराया गया है। इस लोन को बैंकों ने मंजूरी दे दी है और इससे 37 प्रोजेक्ट पूरे होने की उम्मीद है। इसमें पीएफसी से 50,301 करोड़, आरईसी से 30,593 करोड़, स्टेट बैंक से 2000 करोड़ का लोन शामिल है। इसके अलावा दो अन्य संस्थानों से क्रमशः 4,695 करोड़ रुपये और 4,190 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा 10,990 करोड़ रुपये द्वितीयक ऋण के रूप में वितरित किये गये हैं। हालांकि, एमएमआरडीए के सूत्रों ने लोकसत्ता को बताया कि जब खाते में कोई बैलेंस नहीं है तो सवाल उठता है कि वास्तव में लोन कैसे लिया जाए और प्रोजेक्ट कैसे शुरू किया जाए। जब एमएमआरडीए के खजाने में केवल 70 करोड़ 79 लाख रुपये बचे हैं तो चुनौती करोड़ों रुपये जुटाने की है।

अधिकारियों का प्रयास जारी है

एक समय अमीर अथॉरिटी के रूप में पहचाने जाने वाले एमएमआरडीए की वित्तीय स्थिति पिछले कुछ वर्षों में खराब हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में भूखंडों की कोई ई-नीलामी नहीं हुई है, जबकि बीकेसी में भूखंडों की बिक्री ही आय का एकमात्र स्रोत है। सूत्रों ने बताया कि इसके कारण खजाना खस्ताहाल है और इससे बाहर निकलने का रास्ता निकालने के लिए उच्च पदस्थ अधिकारी प्रयास कर रहे हैं।

ठाणे : 23 अवैध माध्यमिक विद्यालय बंद, अवैध घोषित होने के बाद भी विद्यालय जारी रखने पर मामला दर्ज...

ठाणे: जिला परिषद के शिक्षा विभाग ने अप्रैल महीने में जिले में अवैध माध्यमिक विद्यालयों के खिलाफ एक अभियान चलाया और ऐसे स्कूलों की खोज करने और उन्हें बंद करने के लिए उन्हें नोटिस जारी किया. इन नोटिसों के बाद जिले के 24 में से 23 स्कूल बंद कर दिए गए हैं. हालाँकि, एक स्कूल अवैध रूप से जारी रखा गया था। इसके चलते इस स्कूल के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया गया है. ठाणे जिले के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से माध्यमिक विद्यालय चलाए जाते हैं। बिना किसी मान्यता के इन स्कूलों में दाखिला देकर छात्रों के साथ धोखा किया जाता है। ऐसी शिकायतें पिछले कुछ सालों से लगातार सामने आ रही हैं।

इस साल, ठाणे जिला परिषद शिक्षा विभाग ने अप्रैल में अवैध माध्यमिक विद्यालयों के खिलाफ एक अभियान चलाया। इसने जिले में चल रहे स्कूलों का सर्वेक्षण किया और अवैध रूप से चल रहे माध्यमिक विद्यालयों का पता लगाया। इसमें खुलासा हुआ कि जिले में कुल 24 माध्यमिक विद्यालय अवैध रूप से चल रहे हैं. जिला परिषद माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों को नोटिस जारी कर स्कूल बंद करने को कहा है. इसके अनुसार संस्था प्रबंधन द्वारा 23 स्कूलों को बंद कर दिया गया है और गारंटी पत्र संस्था प्रबंधन द्वारा दिया गया है. इस विद्यालय के विद्यार्थियों को दूसरे विद्यालयों में प्रवेश दिलाने का काम शिक्षा विभाग ने किया है.

संबंधित संस्थानों के अधिकारियों ने ठाणे जिले में 23 अवैध माध्यमिक विद्यालयों को बंद करने के संबंध में एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया है। इनमें दिवा में स्टार इंग्लिश हाई स्कूल, भिवंडी के वज्रेश्वर क्षेत्र में डिवाइन ग्रेस हाई स्कूल, कोनगांव में आरएन इंग्लिश स्कूल, भिवंडी गौरीपाड़ा में फरान इंग्लिश मीडियम स्कूल, दिवा में आराम इंग्लिश स्कूल, न्यू गुरुकुल कॉन्वेंट स्कूल, ग्रीन वैली कॉन्वेंट स्कूल शामिल हैं।, एस। एस। इंग्लिश स्कूल, आरएलपी हाई स्कूल, आदर्श गुरुकुल स्कूल, आदर्श गुरुकुल स्कूल, आदर्श गुरुकुल स्कूल, एसआरपी इंग्लिश स्कूल, ओमसाई इंग्लिश स्कूल, सिम्बायोसिस स्कूल, पब्लिक इंग्लिश स्कूल, आर्य गुरुकुल इंग्लिश स्कूल, श्रीराम कृष्णा इंग्लिश स्कूल, भारत इंग्लिश स्कूल, मुंब्रा से मि. इन स्कूलों में विद्याज्योति इंग्लिश स्कूल, कैम्ब्रिज इंग्लिश स्कूल, स्मार्ट एजुकेशन इंग्लिश स्कूल, जेडी इंग्लिश स्कूल शामिल हैं। तो, नवी मुंबई के बेलापुर में अल मुनिहाज सेकेंडरी हाई स्कूल अवैध रूप से चल रहा है।

पालघर तालुका में प्रेमी ने की प्रेमिका की निर्मम हत्या...!

पालघर : पालघर तालुका में एक सनसनीखेज घटना घटी है, जहां एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका के सिर पर पत्थर मारकर बेरहमी से हत्या कर दी. हत्या कर फरार हुए युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पालघर तालुक के मुरबे में एक घटना घटी है जहां पालघर तालुक के मुरबे में रहने वाले एक प्रेमी ने झगड़े के चलते अपनी प्रेमिका की सिर पर पत्थर मारकर बेरहमी से हत्या कर दी. उसकी हत्या कर फरार चल रहे 19 वर्षीय स्नेहा पुरूषोत्तम चौधरी और 21 वर्षीय उसके प्रेमी सुमित नवनीत टंडेल को पुलिस ने सोमवार शाम सतपती से गिरफ्तार कर लिया।

स्नेहा चौधरी और उसका प्रेमी सुमित टंडेल एक ही गांव मुरबे के रहने वाले थे और तारापुर इंडस्ट्रियल एस्टेट की एक फैक्ट्री में काम करते थे। सोमवार सुबह करीब आठ बजे नेहम की तरह दोनों अपने-अपने घर से काम पर जाने के लिए निकले, तभी कुंभवाली गांव के पास सड़क पर उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया. मारपीट के दौरान सुमित ने स्नेहा के सिर पर पत्थर से वार कर उसे लहूलुहान कर दिया. इस बीच वहां जुटे नागरिकों ने दोनों के बीच हो रहे झगड़े को सुलझाने का प्रयास किया. इस बीच, सुमित टंडेल स्नेहा को दोपहिया वाहन पर यह कहकर एकलरे गांव के पास खादी इलाके में ले गया कि वह स्नेहा को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहा है। स्थानीय निवासियों द्वारा लड़की के परिवार और पुलिस को दोनों के बीच झगड़े की सूचना देने के बाद बोइसर पुलिस ने स्थानीय नागरिकों के साथ खजान इलाके में तलाशी अभियान चलाया। दोपहर करीब 2 बजे स्नेहा चौधरी का शव खजान इलाके में मिला. उसकी पहचान उसके लाल कपड़ों और काले बैंग्स से की गई। इसके बाद बोईसर पुलिस ने तुरंत जांच का पहिया घुमाया और आरोपी सुमित टंडेल को सतपती से गिरफ्तार कर लिया, जो उसकी हत्या कर भाग रहा था. स्नेहा के शव को पोस्टमार्टम के लिए तारापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है. पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल, उपविभागीय पुलिस अधिकारी विकास नाइक के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार इस मामले में आगे की जांच कर रहे हैं.

स्नेहा चौधरी और सुमित टंडेल मुरबे में एक-दूसरे के बगल में रहते थे। तीन दिन पहले स्नेहा की बड़ी बहन की सगाई हुई थी और स्नेहा और सुमित के परिवार वाले स्नेहा और सुमित के रिश्ते के बेहद खिलाफ थे। पुलिस को शक है कि इसी गुस्से में सुमित ने स्नेहा की हत्या की है.

मानसून सत्र से पहले किया जा सकता है महाराष्ट्र में राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार

मुंबई : केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के 72 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद महाराष्ट्र से बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र में शिंदे कैबिनेट विस्तार जल्द होने वाला है। राज्य विधानसभा का मानसून सत्र 27 जून से शुरू होगा. खबर है कि इससे पहले कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में विभाजन के बाद अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी 2 जुलाई 2023 को शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल हुए। उस वक्त हुए कैबिनेट विस्तार में अजित दादा के खेमे के नेताओं को मंत्री बनाया गया था।

अजित दादा ने 2 जुलाई को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, जबकि एनसीपी के आठ नेताओं ने मंत्री के तौर पर शपथ ली थी। पवार को वित्त विभाग का प्रभार दिया गया, जबकि उनके खेमें को सहकारिता और कृषि जैसे अहम विभाग मिले। हालांकि इसके बाद चर्चा थी कि एक और बार कैबिनेट विस्तार होगा। लेकिन 11 महीने बीत जाने के बावजूद फॉर्मूला नहीं बन सका। लोकसभा चुनाव में

महायुति गठबंधन के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के चलते कैबिनेट विस्तार की चर्चा फिर जोर पकड़ रही है। ताकि इस साल नवंबर तक होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले महायुति के नेताओं और कार्यकर्ताओं में नया उत्साह लाया जा सके।

युवाओं को मिलेगी कैबिनेट में जगह?

दिल्ली में एनडीए सरकार के 72 मंत्रियों ने शपथ ली। लेकिन इसमें एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सिर्फ एक राज्य मंत्री पद मिला और अजित पवार गुट को एक भी मंत्री पद नहीं मिला। राजनीतिक हलको में चर्चा है कि राज्य में कैबिनेट विस्तार में बीजेपी इसकी भरपाई करेगी। इसलिए अगले एक से दो सप्ताह में शिंदे कैबिनेट का विस्तार होने की संभावना है।

बताया जा रहा है कि इस बार कैबिनेट विस्तार में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाले मंत्रियों पर गाज गिर सकती है और उन्हें हटाया जा सकता है। बीजेपी कैबिनेट में युवा चेहरों को भी मौका देगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे आज शाम सभी पार्टी सांसदों और विधायकों के साथ अहम बैठक करेंगे। सभी विधायकों के साथ बैठक शाम 6 बजे और सभी सांसदों के साथ शाम 7 बजे वर्षा बंगले में होगी। इस दौरान बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होगी।

यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी ने जेल में ही फांसी लगा ली

पोखरण : यौन उत्पीड़न के आरोप में जेल में बंद 35 साल के एक आरोपी ने आत्महत्या की कोशिश की. उसने रेजर ब्लेड से अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया। आरोपी का नाम अब्दुल रशीद है. जेल में रहते हुए, उसने पास के रेजर ब्लेड से अपना निजी अंग काट लिया। खून बहने के बाद उन्हें पोखरण के एक अस्पताल ले जाया गया। चोट की गंभीरता को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए जोधपुर ले जाया गया. यह दिल दहला देने वाली घटना राजस्थान के जैसलमेर जिले के पोखरण पुलिस थाने में हुई. सहायक पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह भाटी, पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह, पोखरण पुलिस थाने के SHO राजूराम विश्नोई घटना के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचे।''रशीद को पुलिस ने रविवार रात करीब 10 बजे पोखरण रोड वे जे के बस स्टैंड से हिरासत में लिया। उन्हें पुलिस लॉकअप में डाल दिया गया।

जन्मदिन पर कोई गुलदस्ते या फिर कोई उपहार लेकर न आएं - राज ठाकरे

मुंबई : महाराष्ट्र के फायर ब्रांड नेता और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने जन्मदिन को लेकर अपने समर्थकों से कुछ खास अपील की है. एमएनएस प्रमुख ने अपने समर्थकों से अनुरोध करते हुए कहा है कि वो उनके जन्मदिन पर कोई गुलदस्ते या फिर कोई उपहार लेकर न आएं. राज ठाकरे का जन्म 14 जून 1968 को हुआ था. एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने कहा, ''हर साल 14 जून को मेरे जन्मदिन के अवसर पर महाराष्ट्र के कोने-कोने से बड़ी संख्या में महाराष्ट्र के सैनिक मुझसे मिलने आते हैं और मुझे शुभकामनाएं देते हैं. उस समय आपका आगमन, आपका अभिनंदन मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है''. उन्होंने आगे कहा, ''लेकिन फिर भी महाराष्ट्र के सैनिक गुलदस्ते, केक, मिठाइयां या उपहार लेकर आते हैं. इस साल से, मैं आपसे ईमानदारी से अनुरोध करता हूं कि कृपया गुलदस्ते, केक, मिठाई या कोई उपहार न लाएं. आपका उपहार मेरे लिए एक उपहार है. मैं सुबह 8:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक ही उपस्थित रहूंगा.''

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे शुक्रवार (14 जून) को अपना 56वां जन्मदिन मनाएंगे. राज ठाकरे का असली नाम स्वराज श्रीकांत ठाकरे है. उनके पिता का नाम श्रीकांत ठाकरे और माता का नाम कुंदा ठाकरे है. बचपन में उन्हें तबला, गिटार और वायलिन का प्रशिक्षण दिया गया था. उन्होंने अपनी स्नातक की पढ़ाई मुंबई के सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट कॉलेज से पूरी की. उनका विवाह शर्मिला वाघ से हुआ, जो मराठी सिनेमा फोटोग्राफर और निमार्ता-निर्देशक मोहन वाघ की बेटी हैं. दंपति के दो बच्चे हैं, एक बेटी और दूसरा बेटा.

उनका राजनीतिक करियर शिव सेना की छात्र शाखा, भारतीय विद्यार्थी सेना के गठन के साथ शुरू हुआ. वो शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब के भतीजे हैं. एक वक्त में वो उनके उत्तराधिकारी माने जाने लगे थे. 1990 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान वह अहम हो गए थे.

हमारी आत्मा महाराष्ट्र में सरकार बनाए बिना तृप्त नहीं होगी - संजय राउत

मुंबई: प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ शरद पवार के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि ये सच है... जो सरकार है, राज्य और केंद्र दोनों ने पवार साहब को भटकती आत्मा कहा. उद्धव ठाकरे ने भी जवाब दिया. अब केंद्र में अतृप्त आत्मा है. नीतीश कुमार नायडू पहले उनका समाधान करो. आत्मा किसी का पीछा नहीं छोड़ती है. यह सच है नरेंद्र मोदी को पीएम पद से हटाए बिना हमारी आत्मा शांत नहीं होगी. कैबिनेट का जैसे चयन हुआ सभी आत्मा अतृप्त है.. खासकर एनडीए. महाराष्ट्र में सरकार बने बिना हमारी आत्मा तृप्त नहीं होगी. दरअसल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'भटकती आत्मा' वाले तंज पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी आत्मा किसानों और आम आदमी के कारण 'अस्वस्थ' है और इन लोगों की पीड़ा को उजागर करने के लिए वह '100 बार' बेचैन होने के लिए तैयार है.

राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव पर संजय राउत ने कहा कि विधानसभा में हम सरकार बनाएंगे... मजबूती क्या होती है यह दिखाया है और फिर दिखायेंगे. वहीं आप के झुनझुना ताने पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने झुनझुना ही दिया है. हम पीएम मोदी से नहीं अब नीतीश और नायडू से सवाल करेंगे. ये उधार की सत्ता है. नीतीश और नायडू की मेहरबानी से सरकार बनी है. मोदी सरकार के मंत्रालय में कोई मुस्लिम नहीं होने पर उन्होंने कहा कि पहले भी चुनाव में हुआ है, नरेंद्र मोदी को लगता है देश के मुसलमानों ने वोट नहीं किया. इसलिए उन्हें मंत्री नहीं बनाया जाएगा. यह संविधान के खिलाफ है. क्या नीतीश और नायडू को यह सही लगता है? क्या वे भी बीजेपी के दबाव में हैं?

अगले महीने ही देशभर के 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव...

मुंबई : आने वाले कुछ महीनों में चार बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं. महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार और दिल्ली. महाराष्ट्र और हरियाणा में इसी साल चुनाव होगा, जबकि बिहार और दिल्ली में अगले साल की शुरूआत में चुनाव होगा. लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को महाराष्ट्र और हरियाणा ने निराश किया. इस बार पार्टी की दोनों राज्यों में सीटें घट गई हैं.

बिहार की बात करें तो इस बार बीजेपी यहां नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) के साथ मैदान में उतरी और बिहार की जनता ने इस गठबंधन पर भरोसा जताया. वहीं, दिल्ली में बीजेपी अकेले मैदान में थी और सातों सीटों पर जीत हासिल की. लोकसभा चुनाव के नतीजों को देखते हुए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि चार राज्यों का विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती होगा.

इस बार के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को महाराष्ट्र की 48 में से सिर्फ 9 सीटें मिली हैं, जबकि 2019 में 23 सीटें जीती थीं. वहीं, कांग्रेस की सीटें इस बार बढ़कर एक से 13 हो गई हैं और विपक्षी गठबंधन को कुल मिलाकर के पास 29 सीटें आई हैं. पिछले चुनाव में बीजेपी ने हरियाणा में क्लीन स्विप किया था, जबकि इस बार 10 लोकसभा सीटों में से 5 पर ही कब्जा जमा सकी और कांग्रेस के खाते में भी इतनी ही सीटें गई हैं. बिहार की बात करें तो एनडीए ने इस बार यहां 40 में से 30 लोकसभा सीटें जीती हैं.

विधानसभा चुनाव से पहले 13 राज्यों में होना है उपचुनाव

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी. इसके तहत 10 जुलाई को मतदान होगा जबकि मतगणना 13 जुलाई को होगी. ये उपचुनाव मौजूदा सदस्यों की मृत्यु या इस्तीफे के कारण पैदा हुई रिक्तियों को भरने के लिए कराए जा रहे हैं. जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं उनमें रूपौली (बिहार), रायगंज, राणाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला (सभी पश्चिम बंगाल), विक्रवंडी (तमिलनाडु), अमरवाड़ा (मध्य प्रदेश), बद्रीनाथ और मंगलौर (उत्तराखंड), जालंधर पश्चिम (पंजाब) और देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ (हिमाचल प्रदेश) शामिल हैं.

संविधान बदलने को लेकर लोगों के बीच गलतफहमी पैदा की गई - प्रफुल्ल पटेल

मुंबई : महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजों पर प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि विपक्ष ने जो प्रचार किया हम उससे पीछे रह गए. उन्होंने कहा कि संविधान बदलने को लेकर यह गलतफहमी सिर्फ दलित ही नहीं बल्कि आदिवासी समुदाय में भी पैदा हुई. यदि कोई परिवर्तन करना हो तो राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है.

बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार अभियान के दौरान विपक्ष ने संविधान बदलने की बात को जोर शोर से उठाया था और केंद्र सरकार को निशाने पर लिया था. बीजेपी के 400 पार के नारे को लेकर विपक्ष के नेताओं ने लोगों के बीच जाकर कहा कि ये संविधान बदलने के लिए इतनी सीटें चाह रहे हैं.

देवेंद्र फडणवीस ने क्या कहा?

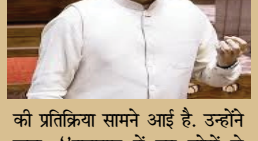

रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र एनडीए कुनबे में मचे घमासान के बीच डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस

की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में हम लोगों से इंडिया गठबंधन को सिर्फ 2 लाख वोट ज्यादा मिला है. मुंबई में हमारे वोट बैंक ज्यादा हैं. इन लोगों ने चुनाव के दौरान गलत नैरेटिव सेट किया था, जिसे हम रोक नहीं सके. विपक्ष ने संविधान बदलने की बात करते हुए दलितों और आदिवासियों को गुमराह किया. इनका नैरेटिव आने वाले विधानसभा चुनाव में काम नहीं करेगा.

बता दें कि महाराष्ट्र की 48 सीटों में से एनडीए यानी महायुति को 17 सीटों पर जीत हासिल हुई. बीजेपी ने 9 सीटों पर जीत हासिल की है. सीएम एकनाथ शिंदे की पार्टी को 7 सीटों पर जीत मिली है. जबकि, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा. वहीं, महाविकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस ने 13 सीटों पर जीत दर्ज की. शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को 9 सीटों पर जीत मिली. इसके अलावा शरद पवार के खेमे वाले एनसीपी के खाते में 8 सीटें गईं. इसके साथ एक सीट निर्दलीय प्रत्याशी के खाते में गई.

अजित पवार ने अलग होने के बाद पहली बार की शरद पवार की तारीफ...

एनडीए पर निशाना, महाराष्ट्र में फिर कुछ पक रहा?

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष अजित पवार ने सोमवार को सबको चौंका दिया। उन्होंने पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में अपने चाचा और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी शरद पवार की अप्रत्याशित रूप से प्रशंसा की। उन्होंने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उन्होंने (शरद पवार) पार्टी को खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अजित ने कहा, 'शरद पवार ने 25 साल पहले कांग्रेस की सोनिया गांधी की राष्ट्रीयता को लेकर एनसीपी की स्थापना की थी। मैं पार्टी का नेतृत्व करने और संगठन को शक्तिशाली नेतृत्व प्रदान करने के लिए उनका आभारी हूं।' इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी विचारधारा अलग है। उनका यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पार्टी को लोकसभा चुनाव में खराब रिजल्ट का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं मोदी कैबिनेट 3.0 में उनकी पार्टी को प्राथमिकता भी नहीं मिली है। अब उनके बदले रुख से कई अटकलें शुरू हो गई हैं।

जून 2023 में अपने चाचा से अलग होने के बाद अजीत पवार का पवार सीनियर की प्रशंसा में यह पहला बयान है। यह बयान लोकसभा चुनाव के नतीजों के कुछ दिनों बाद आया है। लोकसभा चुनाव में शरद पवार की एनसीपी ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा और आठ सीटें जीती हैं।

केंद्र का ऑफर ठुकराया

अजित ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बताया कि एनसीपी ने नई एनडीए सरकार में स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री का पद क्यों स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'हमारा तर्क है कि प्रफुल्ल पटेल लंबे समय तक यूपीए सरकार में कैबिनेट सदस्य थे, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। हमने भाजपा नेतृत्व को सूचित किया है। हम कुछ समय तक इंतजार करेंगे और एनडीए के साथ बने रहेंगे। 15 अगस्त से पहले राज्यसभा में हमारी ताकत एक से बढ़कर तीन हो जाएगी।'

शिव सैनिकों टाइगर्स एकजुट हो जाओ...

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले शिवसेना के दोनों गुटों के एक होने पर बहस शुरू

मुंबई : आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले शिवसेना के दोनों धड़ों के एक साथ आने पर बहस शुरू हो गई है। ये बहस देश की राजधानी दिल्ली में लगाए गए उन बैनरों के बाद शुरू हुई है, जिसमें महाराष्ट्र के हित में शिवसेना (शिंदे गुट) एवं शिवसेना (यूबीटी) को एक साथ आने का आ''ान किया गया है।

दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में लगे बैनरों पर लिखा गया है, 'शिव सैनिकों, टाइगर्स एकजुट हो जाओ। महाराष्ट्र के विकास में तेजी लाओ। सभी को शुभकामना।' इन बैनरों को प्रदर्शित करने का समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिवसेना (शिंदे) द्वारा मनचाहा मंत्री पद न मिलने पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। उसे कैबिनेट मंत्री के बजाय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) से ही संतोष करना पड़ा। दूसरी ओर शिवसेना (यूबीटी) की उपनेता सुषमा अंधारे ने कहा कि हम शिवसैनिकों की भावनाओं का सम्मान करते हैं। मातोश्री और शिवसेना के दरवाजे शिवसैनिकों के लिए हमेशा खुले रहेंगे। हालांकि, जिन लोगों ने पार्टी को धोखा देने के लिए एक बड़ी साजिश रची और महाराष्ट्र को खाई में गिराने की कोशिश की, इस साजिश में वे सही हैं या गलत, इसका फैसला जनता को करना चाहिए।

उद्धव गुट का किया जाएगा स्वागत– शिरसाट

दिल्ली में लगे इस बैनर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए शिंदे गुट के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा है कि दोनों गुटों ने अलग–अलग दिशाओं में चलने का फैसला किया है। हालांकि, यदि वे (उद्धव गुट) दिशा बदलते हैं और एक साथ आते हैं, तो इसका निश्चित रूप से स्वागत किया जाएगा। लेकिन, दोनों के सोचने के तरीके में बहुत अंतर है। एक समय था जब सभी कहते थे कि शिवसेना प्रमुख हमारे भगवान हैं। अब कुछ लोग शरद पवार और राहुल गांधी को अपना भगवान कह रहे हैं। जिससे हमें परेशानी हो रही है। लेकिन, यदि वह अपनी सोच बदलते हैं तो भविष्य में साथ आने में कोई समस्या नहीं है।

माटुंगा में नगर निगम कर्मचारी बनकर चोरी की टेलीफोन केबल... छह आरोपी गिरफ्तार

मुंबई: महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड कंपनी ने माटुंगा पुलिस स्टेशन में केबल चोरी की रिपोर्ट दी थी. इस संबंध में 31 मई को दर्ज मामलों में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. आरोप है कि आरोपी ने खुद को नगर निगम कर्मचारी बताकर 6 लाख 80 हजार रुपये की केबल चोरी कर ली.

आरोपियों के नाम मनीष मगनलाल जैन, निक्कू चनिलाल गुप्ता, नरेश गोपाल अहिरे, महेश मल्लेश बुदामुला, अशोक रमेश सूर्यवंशी, कैलास देवदत्त जाधव हैं। पुलिस ने इनके पास से 184 किलो तांबा जब्त किया है. दादर टीटी सर्कल से माहेश्वरी पार्क तक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर रोड पर चोरों के एक गिरोह ने अनोखे तरीके से चोरी की. चोरों ने किसी भी संदेह से बचने के लिए नगर निगम के बैरिकेड का इस्तेमाल किया। इसमें लिखा था कि बैरिकेड्स निमार्णाधीन हैं. इसके बाद इन चोरों ने 350 मीटर सड़क खोदकर 6 लाख 80 हजार रुपये का तांबा चुरा लिया.

इलाके में टेलीफोन बंद होने की शिकायत मिलने के बाद एमटीएनएल टीम ने निरीक्षण किया. उस वक्त पता चला कि इलाके की केबल चोरी हो गई है. इसके बाद एमटीएनएल ने माटुंगा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। तदनुसार, पुलिस ने मामला दर्ज किया। माटुंगा थाना प्रभारी दीपक चव्हाण ने मामले की जांच पीएसआई संतोष माली को सौंपी। जांच अधिकारी ने सीसीटीवी फुटेज और रिपोर्ट के जरिए जानकारी जुटाकर छह चोरों को गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों को 13 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

कल्याण में बरावे जल शुद्धिकरण केंद्र का पाइप लाइन फटा... सैकड़ों लीटर पानी बर्बाद

कल्याण : कल्याण पूर्व, पश्चिम शहर को जलापूर्ति करने वाली बरावे जल शुद्धिकरण केंद्र की पानी की पाइप मंगलवार की रात शहाड में फट गयी. चैनल फटने से सैकड़ों लीटर पानी बह गया। जलधारा के पास का क्षेत्र बाढ़ग्रस्त हो गया। कल्याण डोंबिवली नगर पालिका के जल आपूर्ति विभाग के अधिकारी तुरंत मौके पर गए और मरम्मत कार्य की योजना बनाई। आधी रात में पानी का पाइप फट गया, जिससे अंधेरे में मरम्मत का काम मुश्किल हो गया। साथ ही, चूँकि चैनल में पानी के बहाव की गति सबसे अधिक होती है, इसलिए इस पानी को तुरंत रोकना असंभव है। जब तक जलघर का पानी कम नहीं हुआ, नगर निगम के जलदाय अधिकारी, ठेकेदार मरम्मत का काम नहीं कर सके। सुबह छह बजे के बीच नहर में पानी का तेज बहाव कम होने के बाद तत्काल मरम्मत कार्य कराया गया.

अधिकारियों ने संभावना जताई कि पानी का पाइप फटने से कल्याण पूर्व और पश्चिम इलाके में मंगलवार शाम तक जलापूर्ति प्रभावित होगी. आधी रात से ही नगर पालिका के जलदाय अधिकारी टूटे हुए जलसेतुओं की निगरानी कर रहे हैं कि कब जलसेतुओं में पानी का स्तर गिरता है. शहाड में उल्हास नदी से पानी लिया जाता है और बरावे में जल उपचार संयंत्र में लाया जाता है।

अधिकारी ने कहा, ऐसी घटनाएं पाइपलाइन में उच्च दबाव या वाल्व में तकनीकी खराबी के कारण होती हैं। सुबह छह बजे नहर का जलस्तर कम होने के बाद नगर निगम अधिकारी, ठेकेदार नहर की मरम्मत के काम में लग गये. मंगलवार सुबह दस बजे तक मरम्मत का काम पूरा हो गया। कल्याण शहर को पानी की कमी न हो इसके लिए तुरंत नहर से पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गई। हालांकि कल्याण शहर में सुबह पानी की आपूर्ति नहीं हुई, लेकिन अधिकारी ने कहा कि अब दोपहर और शाम को नियमित पानी की आपूर्ति होगी.

भिवंडी में कपड़ा गोदाम में लगी भीषण आग...कोई हताहत नहीं, लेकिन गोदाम का सामान जल गया

ठाणे: भिवंडी के गोवा नाका इलाके में मंगलवार सुबह तड़के एक कपड़ा गोदाम में भीषण आग लग गई. हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन गोदाम का सामान जल गया। यहां छह घंटे से आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीमों का काम चल रहा है. गोवा नाका के सारावली इलाके में कपड़ा बनाने का गोदाम है. मंगलवार की अहले सुबह इस गोदाम में अचानक आग लग गयी. कुछ ही देर में आग ने लाल रंग धारण कर लिया। जिससे आग और अधिक फैल गई. स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद भिवंडी, कल्याण और ठाणे नगर निगम फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। टीमें देर सुबह तक आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं।

वसई में पहली बारिश... समुद्र में डूबने और बिजली गिरने से दो की मौत!

वसई : पहली बारिश में वसई विरार शहर में दो युवकों की मौत हो गई है. पहली घटना में विरार के अनार्ला बीच पर टहलने गया एक युवक समुद्र में डूब गया. एक अन्य घटना में, नालासोपारा में नगरपालिका स्ट्रीट लैंप के कारण करंट लगने से 29 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। मानसून शुरू होते ही वसई के समुद्र तट पर्यटकों को आकर्षित करने लगते हैं। रविवार को बारिश शुरू होने के बाद वसई के विभिन्न समुद्र तटों पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी. वसई के गवराईपाड़ा निवासी देवराय राय (19) रविवार दोपहर अपने दोस्तों के साथ विरार के अनार्ला समुद्र तट पर टहलने गए थे। वह समुद्र में तैरने के लिए उतरा

था. लेकिन पानी का अनुमान न होने के कारण वह समुद्र में डूब गया। देर शाम उसका शव मिला। विरार पुलिस ने इस मामले में अचानक मौत का मामला दर्ज किया है.

एक अन्य घटना में नालासोपारा में करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई है. रविवार को हुई बारिश से हर तरफ पानी ही पानी हो गया। रात करीब साढ़े नौ बजे नालासोपारा पूर्व के महेशपार्क इलाके में रोहन कासकर (29) नाम का युवक रुके हुए पानी से होकर जा रहा था. उन्होंने वहां नगरपालिका स्ट्रीट लैंप का समर्थन किया। लेकिन स्ट्रीट लाइट में पानी के कारण करंट प्रवाहित हो गया। उस झटके से रोहन नीचे गिर गया। स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए नगर निगम अस्पताल में भर्ती कराया. वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com